JYOTI B.Ed COLLEGE RAMPURA, FAZILKA

SUBJECT :- PEDAGOGY OF HINDI

SUBJECT CODE :- 207

CLASS :- D.El.Ed

SESSION :- 2018-2020

YEAR :- IInd

TOPIC :- शब्द की परिभाषा और भेद

TEACHER'S NAME :- Mrs. REETU BALA

Scanned by CamScanner

शब्द परिभाषा और भेद

एक या एक से अधिक वर्णों के मेल से बने सार्थक ध्वनि-समूहों को शब्द कहते हैं।

उदाहरण :- राम, काम।

(राम) और काम सार्थक ध्वनि समूह हैं। दोनों शब्दों का एक विशेष अर्थ है, इसलिए इन्हें शब्द कहा जायेगा। इन सार्थक शब्दों (ध्वनि-समूह) को वर्णों के मेल से बनाया जाता है।

उदाहरण :- र + ा + म + अ = राम

क + ा + म + अ = काम

शब्द भेद

शब्दों के भेदों को निम्नलिखित आधार पर बाँटा गया है। ये आधार ५ प्रकार के हैं :-

1. अर्थ के आधार पर
2. प्रयोग के आधार पर
3. रचना के आधार पर
4. स्त्रोत के आधार पर

Scanned by CamScanner

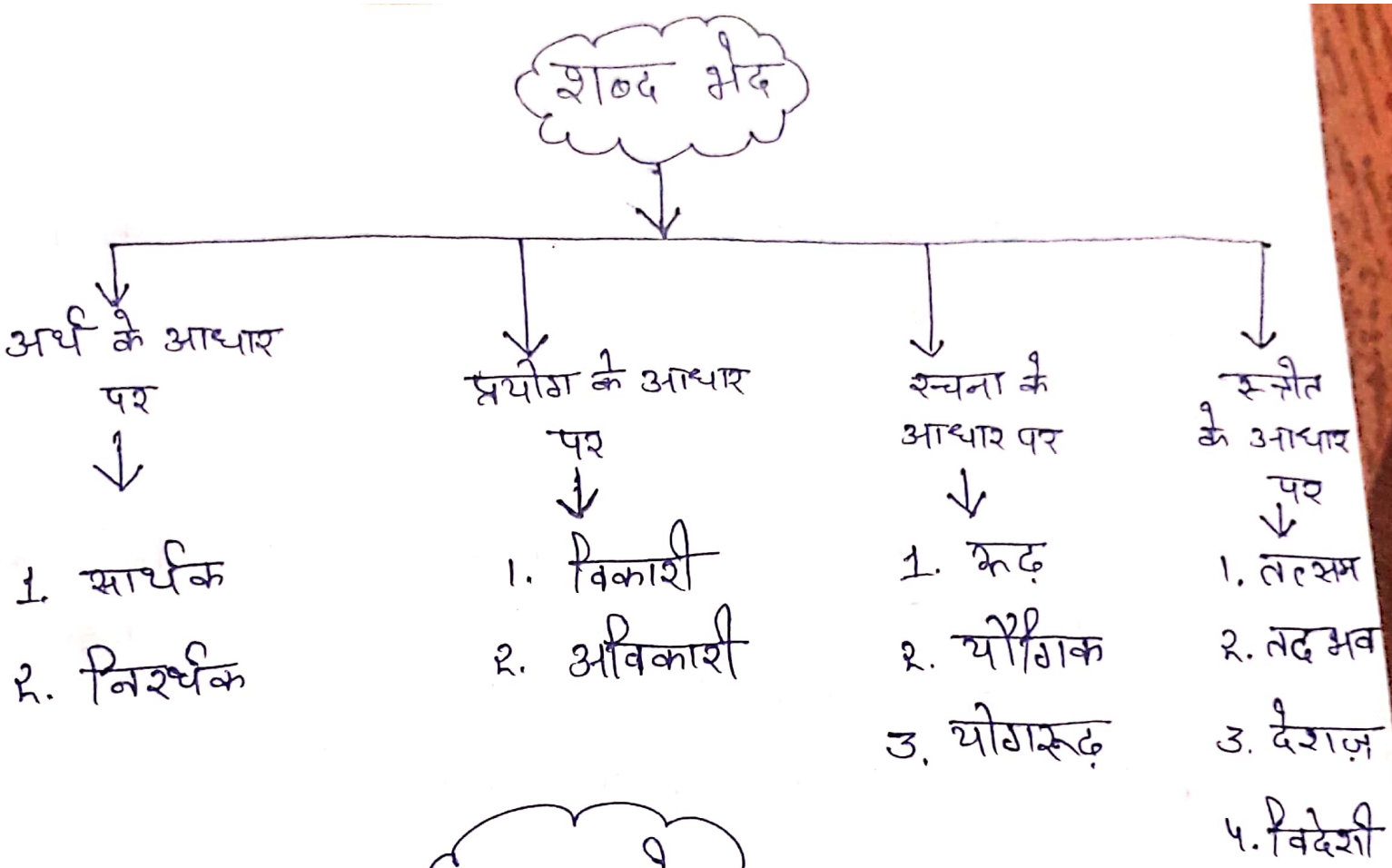

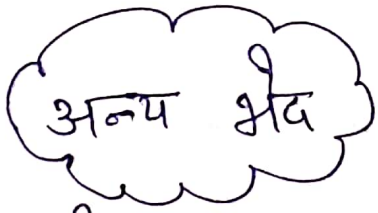

शब्द भेद

अर्थ के आधार पर
1. सार्थक
2. निरर्थक

प्रयोग के आधार पर
1. विकारी
2. अविकारी

रचना के आधार पर
1. रूढ़
2. यौगिक
3. योगरूढ़

स्रोत के आधार पर
1. तत्सम
2. तद्भव
3. देशज
4. विदेशी

अन्य भेद

(क) लिंग के आधार पर
1. पुल्लिंग
2. स्त्रीलिंग

Scanned by CamScanner

1. अर्थ के आधार पर

अर्थ के आधार पर शब्दों के दो भेद है-

1) सार्थक शब्द :- जिनका कोई अर्थ हो जैसे प्रकाश, चमक, पूर्व, सूर्य आदि। अर्थ के आधार पर सार्थक शब्द चारों भागों में बाटें गए है-

* एकार्थी
* अनेकार्थी
* पर्यायवाची
* विलोम

2) निरर्थक शब्द :- जिनका कोई अर्थ न हो ये सार्थक शब्दों के साथ भाषा में प्रवाह लाने हेतु मिल जाते है। जैसे - रोटी - वोटी, पानी - वानी, टेढ़ी - मेढ़ी। इनमें वोटी, वानी, मेढ़ी निरर्थक शब्द है।

2. प्रयोग के आधार पर

कुछ शब्द ऐसे होते है जिनका लिंग, वचन व कारक के कारण रूप बदल जाता है, परन्तु कुछ शब्दों का रूप समान रहता है। शब्दों का यह रूप परिवर्तन

Scanned by CamScanner

ही विकार कहलाता है। इस विकार के आधार पर इन्हें दो वर्गों में बांटा गया है।

1) विकारी शब्द :- वाक्यों में प्रयोग होने पर जिन शब्दों का रूप बदल जाए वे विकारी शब्द कहलाते हैं। जैसे :- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया।

2) अविकारी शब्द :- वाक्यों में प्रयोग होने पर जिनका रूप समान रहे, वे अविकारी शब्द कहलाते हैं। जैसे :- क्रिया विशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक व विस्मयादि बोधक।

3. रचना के आधार पर

रचना या बनावट के आधार पर शब्दों के तीन भेद किए गए हैं -

1) रूढ़ शब्द :- जिन शब्दों के आगे टुकड़े न हो सके यदि टुकड़े हो तो कोई अर्थ निकले, ऐसे शब्द रूढ़ शब्द कहलाते हैं।

Scanned by CamScanner

२) यौगिक शब्द :- दो या दो से अधिक शब्दांशों के योग से बने शब्द यौगिक कहलाते है। इनके टुकड़े किए जा सकते है :- जैसे -

जलपान - जल + पान

विद्यालय - विद्या + आलय ।

३) योगरूढ़ शब्द :- यह भी दो शब्दों के मेल से बने होते है परन्तु इनका प्रयोग किसी विशेष अर्थ में होता है। जैसे दशानन - दश + आनन, दस सिर वाला परन्तु इस शब्द का अर्थ (रावण) के रूप में लिया जाता है।

इसी प्रकार 'जलज' का सामान्य अर्थ जो जल में जन्म ले, परन्तु इसका अर्थ है 'कमल',

४) स्त्रोत या उत्पति के आधार पर

स्त्रोत के आधार पर शब्द के चार भेद है -

१) तत्सम शब्द :- हिन्दी भाषा के वे शब्द जो संस्कृत से आए है तथा उसी रूप में प्रयुक्त हो रहे है जैसे बालक, अग्नि, सूर्य, नदी, आदि।

Scanned by CamScanner

2) तदभव शब्द :- संस्कृत भाषा के वो शब्द जो थोड़े परिवर्तन के साथ हिन्दी भाषा में प्रयोग हो रहे हैं। जैसे अग्नि से आग, सूर्य से सूरज आदि।

3) देशज़ शब्द :- हिन्दी भाषा में भारत के विभिन्न भागों में बोली जाने वाली बोलियाँ के शब्द भी आ गए हैं। ये देशज शब्द कहलाती हैं। जैसे पगड़ी, खटिया, खिड़की, पेठ आदि।

4) विदेशी शब्द :- हिन्दी भाषा में अनेक शब्द विदेशी भाषाओं के भी हैं

जैसे - सुबह, चाय, स्कूल, बाल्टी आदि।

अन्य भेद

इसके अलावा शब्दों के भेद निम्नलिखित अनुसार हैं -

लिंग :- शब्द के वह रूप जिसमें किसी विषय अथवा व्यक्ति के पुरुष या स्त्री जाति से होने का बोध हो अर्थात, इन शब्दों से इस बात का पता चलता है कि जिसके बारे में बात की

Scanned by CamScanner

जा रही है, वह पुरुष जाति से है या स्त्री जाति से
हिन्दी भाषा में लिंग के दो रूप हैं:

1) पुलिंग :- वे शब्द जो पुरुष जाति का बोध करवाये को पुलिंग कहा जाता है। जैसे :- कुत्ता, लड़का, बेटा आदि।

2) स्त्रीलिंग :- वे शब्द जो स्त्री जाति का बोध करवाये, को स्त्रीलिंग कहते हैं। जैसे :- लड़की, शेरनी, बेटी, दादी आ